

①
न्यायालय समक्ष- माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर म०प्र०

निगरानी क्र०- R 2589-III/14 स न-2013-14

रामचरन तनय सरजू कुर्मी

निवासी ग्राम मोराहा तह० वजिला छतरपुर म०प्र० . . निगरानीकर्ता

बनाम

1- गौरीशंकर तनय स्व० धुरी कुर्मी

निवासी ग्राम मोराहा तह० वजिला छतरपुर म०प्र०

2- मध्य प्रदेश शासन . . अनावेदकगण

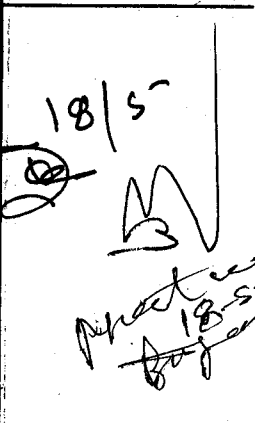
ज्यापलय तहसीलदार कतरपुर (उ०, क०)
7 / क्र-6अ/13-14 धरित मध्य प्रदेश
दिना 12-6-14

17/8

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. A. 2589-14/14..... जिला दत्तपुर.....

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
7-8-15	<p>आवेदक की ओर से श्री के.के. विवेदी अभिभाषक (उपास्थित)। अनवेदक कुं० १ की ओर से श्री लुकेश भागत अभिभाषक (उपास्थित)। अनवेदक शासन की ओर से वेनल अभिभाषक (उपास्थित)।</p> <p>उक्त के वंशिय अथवा मृत है कि अनवेदक गौरीशंकर पुत्र स्व० श्री धुरी कुर्मी निवासी-मौराह नं० दत्तपुर जरा वर्ष 1968-69 में इस प्रविष्टि का सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र नं०-मायालय में प्रस्तुत किया गया जो दिनांक 10-1-14 को प्रस्तुत हुआ दिनांक 10-1-2014 को अनवेदक की ओर से उक्त प्रस्तुत आवेदन पर आपन आवेदन आवेदक श्री रामचल कुर्मी जरा दिनांक-11-4-14 को प्रस्तुत का तहसीलवार के समक्ष आपन की गई कि "दू-राजस्व संहिता की धारा 116(1) के अंतर्गत प्रविष्टि दिनांक से एक वर्ष के अन्तर प्रविष्टि संशोधन किये जाने हेतु आवेदन करने का प्रावधान है किन्तु संशोधन आवेदन 45 वर्ष पश्चात प्रस्तुत किया गया है ऐसी दशा में आवेदन दिनांक 10-1-2014 निरस्त करने का निवेदन किया गया।</p> <p>तहसीलवार दत्तपुर जरा आवेदक की ओर से प्रस्तुत आपन आवेदन दिनांक-11-4-2014 का त्वरित निराकरण न कर रहे हुए आपन आदेश दिनांक 12-6-2015 से आपन आवेदन दिनांक 11-4-14 का निराकरण मूल आदेश के साथ किये जाने का निर्णय लिया। जिसके विरुद्ध यह निरागती इस याथा में प्रस्तुत की गई है।</p> <p>उक्त में अंकि उक्त अर्थों के संबंध में उमयपक्ष अभिभाषकों के तर्क-प्रवण किये गये।</p>	<p>18/5</p>  <p>18-5-15</p>

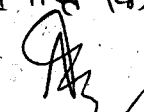
स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश कृतपुर	पक्षकारों एवं अ षकों आदि के हस्ताक्षर
------------------	------------------------------	---

अविदक अभिभाषक हुए अपने तर्कों में
बतया कि 45 वर्ष बाद प्रविष्टि श्रेणीधन का
आवेदन नहीं दिया जा सकता एवं प्रस्तुत आपात्र
आवेदन का निराकरण भी व्यर्थ किमा जाना चाहिए
जो तस्वीरवा आ नहीं किमा गया इसके अतिरिक्त
वही तथ्य दुहराये जो सिगरानी मेमो में अंकित हैं।

अविदक अभिभाषक हुए अपने तर्कों में बतया
कि प्रकरण में तस्वीरवा आ आपात्र आवेदन दिनांक
11-4-14 पर जो निर्णय लिया है वह सही है इस
कारण यह सिगरानी प्रकरण निरस्त किया जावे। शाल०
अभिभाषक द्वारा भी अविदक अभिभाषक के तर्कों
से सहमति व्यक्त की गई।

अभ्यपन्न अभिभाषकों के तर्कों पर विचार
किया गया एवं प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अधीनस्थ
-यायालय के अधिकारी का अवलोकन किमा गया जिससे
यह स्पष्ट है कि तस्वीरवा आ अविदक की ओर से
प्रस्तुत आपात्र आवेदन दिनांक 11-4-14 का निराकरण
न किमा जाकर इस तथ्य पर भी निर्णय नहीं लिया
गया कि प्रकरण उचलन योग्य है या नहीं।

उपरोक्त तथ्यों के प्रकाश में तस्वीरवा आ
कृतपुर को आदेशित किया जाता है कि अविदक
को ओर से प्रस्तुत आपात्र आवेदन दिनांक 11-4-2014
पर संज्ञान लेते हुए भू-राजस्व संहिता में निर्दिष्ट शर्तों
के अंतर्गत विधि अनुकूल इस तथ्य पर भी विचार
करते हुए कि प्रकरण उचलन योग्य है या नहीं?
आपात्र आवेदन दिनांक-11-4-2014 का तीन
माह में निराकरण करें। उक्त निर्देशों के साथ
यह निगरानी प्रकरण इसी तरह पर समाप्त किमा
जाता है।


सदस्य


17/8